अतएव

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की मासिक पत्रिका

वर्ष : 4 : अंक : 20–21 सितम्बर–अक्तूबर : 1990

प्रेमचन्द विशेषांक

सम्पादक

दया प्रकाश सिन्हा

SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 4, nos. 20-21, Sep-Oct 1990
TOC Supplied by: Princeton University Library

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ-226 001 (उ०प्र०)

मूल्य : वार्षिक पैंतीस रुपये : प्रति अंक तीन रुपये पचास पैसे

अतएव

अपनी बात			1
उ० प्र० हिन्दी संस्थान की गतिविधियाँ			4
अन्य गतिविधियाँ			–
प्रेमचंद : समस्यामय जीवन	:	परिपूर्णानंद वर्म्मा	13
मुंशी प्रेमचंद मेरे बड़े मौसा	:	सुमित्रा कुमारी सिन्हा	16
प्रेमचंद	:	रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	19
लमही के रत्न	:	कमला पति मिश्र	21
प्रेमचंद और उनके अनुज महताब राय	:	कृष्ण कुमार राय	25
प्रेमचंद की ज्येष्ठ पुत्री कमला देवी श्रीवास्तव से लक्ष्मी नारायण दुबे की बातचीत	:		32
प्रेमचंदजी : एक संस्मरण	:	गंगा प्रसाद मिश्र	36
उन्हें कभी भुला न सकूंगा	:	ज्ञान चंद जैन	38
क्या प्रेमचंद प्रासंगिक हैं	:	जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी	44
प्रेमचंद : जिन्होंने आधे भारत से हमें परिचित कराया	:	राम नारायण उपाध्याय	47
प्रेमचंद सम्बन्धी अभिलेखों का संरक्षण	:	कैलाश नाथ श्रीवास्तव	52
समाज का कुशल चितेरा : मुंशी प्रेमचंद	:	डॉ० राजाराम सोनी	57
ग्राम सन्दर्भ में प्रेमचंद की यथार्थ चेतना	:	डॉ० राम दरश मिश्र	61
प्रतिनिधि प्रेमचंद	:	विनय कुमार राय	00
प्रेमचंद और गोर्की	:	प्रतिमा गुप्ता	68
अमर कथाकार प्रेमचंद पर नई रोशनी	:	मन्मथ नाथ गुप्त	71
प्रेमचंदजी की सिखावन	:	गोपाल प्रसाद व्यास	76
प्रेमचंद के संस्मरण	:	डॉ० प्रभाकर माधवे	79
प्रेमचंद साहित्य के उत्प्रेरक तत्त्व	:	सूर्य प्रसाद शुक्ल	81
प्रतिभा के पारखी 'बच्चन' (समीक्षा)	:	यशोविमलानन्द	85
समकालीन उर्दू कहानी (समीक्षा)	:	अशांत	86

लेखकों के विचार अपने हैं। सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।